

रा.प्र.प.नं- 83/18 मुकताप खां व/ संख्या
29.5.18 मुकताप इ.। प्रानी की मूल प्रतीक

विस्तृत विवेचन के साथ खासि की
जा चुकी है, के अनुसार उक्त
प्र. नं. भी- खासि किताब का है
प्राप्त की प्रमाण शुद्ध है नकल
से यह दोहरा वाकिल प्रमाण है



अपर कलक्टर, नागौर